मीडिया अनुसंधान में कॅरिअर

डॉ. प्रदीप नायर

अनुसंधान न केवल कॉर्पोरेट विश्व में, बल्कि सार्वजनिक तथा सरकारी क्षेत्र में भी किसी भी सफल मीडिया प्रयासों की कुंजी है।

अनुसंधान के बिना, जो अपने संगठनों के लिए मीडिया कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों का संचालन एवं प्रयोग करते हैं, वे किसी मार्गदर्शन या निदेशन की स्पष्ट समझ के बिना अंधेरे में कार्य करते हैं।

मीडिया अध्ययन में अनुसंधान, सम्पूर्ण संचार–प्रक्रिया पर बल देता है और मीडिया संस्थाओं और उनके मुख्य लक्षित श्रोता/दर्शक समूहों के बीच विद्यमान संचार संबंधों की जांच करता है। किसी भी मीडिया प्रैक्टिशनर के लिए तथ्य तथा राय एकत्र करने के लिए अनुसंधान एक अनिवार्य साधन है और यह किसी विनिर्दिष्ट समस्या, स्थिति या अवसर से संबंधित तथ्यों तथा विचारों के उद्देश्य के मूल्यांकन के माध्यम से खोज करने, पुष्टि करने तथा समझने पर लक्षित एक प्रणालीबद्ध प्रयास है।

संभावना तथा कार्य–क्षेत्र

मीडिया अध्ययन में विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों तथा तकनीकों का कार्यान्वयन निम्नलिखित आवश्यकताओं तथा उद्देश्यों के लिए किया जाता है :

(i) वह सूचना एकत्र करना जो मीडिया प्रैक्टिशनरों तथा व्यावसायियों को अपने कार्य प्रभावी रूप से करने की जानकारी के लिए आवश्यक हो।
(ii) मुख्य लक्षित श्रोता/दर्शक समूहों के दृष्टिकोण के संबंध में बैंचमार्क सूचना प्राप्त करना।
(iii) मीडिया कार्यक्रमों, कार्यकलापों या कार्यों की योजना बनाना, विकास करना या संभवतः परिष्कृत करना।
(iv) उन मीडिया कार्यक्रमों, गतिविधियों या घटनाओं की खोज करना या निगरानी करना जो संस्था/संगठन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
(v) किसी पूर्व निर्धारित उद्देश्य के परिणामों की समीक्षा करके किसी विशेष संचार कार्यक्रम या गतिविधि की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
(vi) किसी अचानक या अप्रत्याशित संकट का सामना करते समय, आपात निगरानी के माध्यम से उपयुक्त परिप्रेक्ष्य में निहित मामलों को उठाना।
(vii) जब परिस्थितियां अनुकूल हों, किसी विशिष्ट कार्यक्रम, गतिविधि या घटना का प्रचार करने या प्रोत्साहन देने के लिए उपयुक्त समर्थन करना।

कार्य प्रकृति

मीडिया अनुसंधान में डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करके काई भी व्यक्ति दूरदर्शन, रेडियो तथा इंटरनेट जैसे मीडिया के उपयोग, प्रभाव, परिणाम तथा आधारिक संरचना का अध्ययन करने के लिए एक मीडिया अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य कर सकता है। मीडिया अनुसंधान में कॅरिअर सार्वजनिक तथा निजी–दोनों क्षेत्रों में प्राप्त किया जा सकता है। किसी मीडिया अनुसंधानकर्ता के रूप में कोई भी व्यक्ति विभिन्न जन समूहों पर मीडिया के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा वास्तविक प्रभावों पर अनुसंधान कर सकता है।

कई मीडिया अनुसंधान संस्थाएं माध्यम के प्रभाव को समझने के लिए मीडिया अनुसंधान अध्ययनों से प्राप्त की गई परिमाणात्मक सूचना का मूल्यांकन करने के लिए सांख्यिकीविदों को रोज़गार पर रखते हैं। यदि किसी को मीडिया अनुसंधान में प्रयुक्त की जाने वाली विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों तथा साधनों की बहुत अच्छी समझ है तो वह किसी मीडिया संस्था के साथ एक सांख्यिकीविद् के रूप में भी कार्य कर सकता है।

इस क्षेत्र में ऐसे अनुसंधान विश्लेषक के रूप में भी कार्य उपलब्ध है जो मीडिया अनुसंधान अध्ययन संचालित करते हैं और रिपोर्टें तैयार करते हैं। अनुसंधान विश्लेषक अध्ययन ढांचे के साथ, सूचना से पूरी जानकारी का विकास करने तथा ग्राफीय प्रस्तुतिकरण का सृजन करने, अध्ययन के परिणामों की रिपोर्ट तैयार करने में सहायता करते हैं। इस पद के लिए कॉलेज की किसी डिग्री या अनुसंधान की अच्छी समझ के साथ–साथ सामान्यतः मीडिया अध्ययन में डिग्री भी अपेक्षित होती है।

इस क्षेत्र में कोई व्यक्ति ग्रांट राइटर के रूप में भी कार्य कर सकता है, जो सामान्यतः मीडिया अनुसंधान अध्ययन के लिए निधि की सुरक्षा का प्रबंध करता है। गैर लाभ भोगी मीडिया अनुसंधान संगठन अपने अनुसंधान प्रवर्तनों के समर्थन के लिए प्रायः अनुदानों पर आश्रित होते हैं। ग्रांट राइटर अनुदान आवेदन प्रक्रिया के लेखन तथा प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होते हैं। ग्रांट राइटर्स को अनुदान–प्रक्रिया का ज्ञान, उत्कृष्ट लेखन कौशल तथा मीडिया अनुसंधान पद्धतियों, तकनीकों और साधनों की एक व्यापक समझ होनी चाहिए।

इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति एक ऐसे स्वतंत्र अनुसंधानकर्ता तथा स्कॉलर के रूप में भी कार्य कर सकता है जो मीडिया अध्ययन की उन्नति में योगदान देता है

अध्ययन कहां करें तथा पात्रता

जन संचार तथा पत्रकारिता में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने वाले अधिकांश विश्वविद्यालय विभागों में मीडिया अनुसंधान उनका एक मुख्य विषय है। कुछ विश्वविद्यालय, कॉलेज तथा मीडिया संस्थाएं भी मीडिया अनुसंधान में विशेषज्ञता पाठ्यक्रम संचालित करती है।

आजकल कुछ प्रबंध तथा मीडिया संस्थाएं संचार/मीडिया अनुसंधान में एम.बी.ए. कार्यक्रम भी चला रही हैं। केंद्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों के अधिकांश पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग अनुसंधान प्रणाली विज्ञान पद्धतियों तथा ज्ञान शास्त्र (एपिस्टेमोलोजी) पर अत्यधिक स्पष्ट बल वाले मीडिया अध्ययन में एम.फिल. तथा पी.एचडी कार्यक्रम भी चलाते हैं।

मास्टर स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्रता किसी भी विषय में कोई स्नातक डिग्री तथा मीडिया मामलों की कुछ जानकारी होना है। इसके लिए चयन सामान्यतः एक लिखित परीक्षा तथा तत्पश्चात एक व्यक्तिगत साक्षात्कार पर निर्भर होता है।

कार्य कहां तलाशें

संचार क्षेत्र में कार्यरत सरकारी मीडिया संगठनों, एजेंसियों तथा विभागों, शैक्षिक तथा अनुसंधान संस्थाओं, मीडिया संगठनों, गैर–सरकारी संगठनों को सामान्यतः ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता होती है जो उनके लिए अनुसंधान कार्य कर सकें। उन्हें नीतिगत नियोजन तथा कार्यक्रम विकास प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए अनुसंधान समर्थन की आवश्यकता होती है ताकि उन्हें पता लग सके कि आम व्यक्ति किसी विशेष मीडिया कार्यक्रम या अभियान के बारे में क्या सोंचते हैं।

गैर–सरकारी संगठन किसी विकास कार्यक्रम के भाग के रूप में मूलतः तैयार किए गए संचार संदेशों के प्रभावों का अध्ययन तथा मूल्यांकन करने के लिए अनुसंधानकर्ताओं की भर्ती करते हैं। इसके विभिन्न अवसर किसी संचार गतिविधि के उद्देश्यों/लक्ष्यों का अध्ययन करने से लेकर किसी प्रक्रिया में निहित विभिन्न संचार घटकों की जांच तथा पुनः जांच करने तक भिन्न भिन्न हो सकते हैं।

मीडिया अनुसंधान संगठनों/संस्थाओं को ऐसे मीडिया अनुसंधानकर्ताओं की आवश्यकता होती है, जो मात्रात्मक सर्वेक्षणों, श्रेष्ठ श्रोता/दर्शक समूहों के गुणात्मक व्यापक मनोवृत्ति सर्वेक्षणों, परीक्षण पूर्व/परीक्षण–उपरांत अध्ययन, प्रायोगिक तथा अर्ध–प्रायोगिक अनुसंधान अध्ययन तथा सह–संबंध एवं परावर्तन विश्लेषण, क्यू–सॉर्ट्स तथा तथ्य/समूह विश्लेषण अध्ययन जैसे उच्च सांख्यिकीय अनुप्रयोग सहित संचार परिणामों एवं निष्कर्षों का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न अनुसंधान तकनीकें लागू कर सकें।

सामान्यतः ये कार्य समाचारपत्रों में विज्ञापित किए जाते हैं, इन संगठनों की वेबसाइट पर डाले जाते हैं तथा मीडिया अनुसंधान संस्थाओं/विश्वविद्यालयों के विभागों के नोटिस बोर्डों पर लगाएं जाते हैं।

वेतन

मीडिया अनुसंधान क्षेत्रमें वेतन योग्यता और अनुभव, मीडिया अध्ययन में विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों, तकनीकों और साधनों के अनुप्रयोग में विशेषज्ञता पर निर्भर करता है। मीडिया अध्ययन में डिग्री या डिप्लोमा होने के साथ अनुसंधान प्रक्रियाओं का बहुत अच्छी समझ आपको एंट्री स्तर के पदों पर 10000 से 15000 रु. का वेतन दिला सकती है। मीडिया अनुसंधान में मास्टर या डॉक्टरल डिग्री आपको और अधिक अवसर दिला सकती है। सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्रमें कार्यरत विकास एजेंसियों की बड़ी अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने के साथ–साथ एक अनुसंधान सलाहकार के रूप में भी अर्जन कर सकते हैं।

अपने कौशल को उत्कृष्ट बनाना

एक मीडिया अनुसंधानकर्ता के रूप में आपको मीडिया अध्ययन में प्रयुक्त विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों/तकनीकों की अच्छी समझ होनी चाहिए तथा कोई संतुलित विभागीय प्रशिक्षण धारी होना चाहिए। अनुसंधान एजेंसियों, विशेषज्ञतापूर्ण डाटा संकलन तथा विश्लेषण तकनीकों, रिपोर्ट लेखन का अच्छा कार्यसाधक ज्ञान एवं प्रस्तुतिकरण कुशलता होना आवश्यक है।

एक स्नातकोत्तर छात्र के रूप में आपको सामान्यतः अपना प्रचार–प्रसार कार्य करने के दौरान सीखने का एक अवसर मिलता है, जो स्नातकोत्तर मीडिया अध्ययन के पाठ्यक्रम कार्य का एक अनिवार्य भाग होता है। मीडिया अध्ययन में एम.फिल. करने के दौरान आप छोटे केस अध्ययन, गुणात्मक सर्वेक्षण और कभी–कभी मात्र–विश्लेषण करते हैं जो आपको मीडिया अनुसंधान अध्ययन की अपनी समझ को व्यापक बनाने में आपकी सहायता करते हैं।

एक अनुसंधान स्कॉलर के रूप में अपनी पी.एचडी करते समय आप विभिन्न पाठ्यक्रम कार्य करते हैं जो आपकी अनुसंधान कुशलता को उत्कृष्ट करते हैं। इसलिए मीडिया अनुसंधान प्रैक्टिस के व्यावसायिक क्षेत्रमें प्रवेश करने से पहले आपको जीवन की व्यावहारिक परिस्थितियों से परिष्कृत अनुसंधान तकनीक तथा प्रक्रिया सीखने के लिए एक स्नातकोत्तर छात्र के रूप में या एक अनुसंधान स्कॉलर के रूप में अनेक अवसर मिलते हैं।

(डॉ. प्रदीप नायर ए.जे.के. – जन संचार अनुसंधान केंद्र (एम.सी.आर.सी.), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), जामिया नगर, नई दिल्ली–110025 में अनुसंधान वैज्ञानिक हैं। ई–मेल : pradeep.mcrc@jmi.ac.in, nairdevcom@yahoo.co.in)